BA-II-IV paper
विषय-कहानी (एकांगी)

हिन्दी विभाग
डॉ गीता कुमारी

9.11.2020
Time-11.40 to 1.20 pm

जैनेन्द्र कुमार का जीवन परिचय

हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक कथाकार उपन्यासकार व निबंधकार लेखक जैनेन्द्र कुमार का जन्म 2 जनवरी, 1905 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के कौड़ियागंज नामक गाँव में हुआ था उनके बचपन का नाम आनंदीलाल था। इनकी मुख्य देन उपन्यास तथा कहानी है। एक साहित्य विचारक के रूप में भी इनका स्थान मान्य है। इनके जन्म के दो वर्ष पश्चात इनके पिता की मृत्यु हो गई। इनकी माता एवं मामा ने ही इनका पालन पोषण किया। इनके मामा ने हस्तिनापुर में एक गुरुकुल की स्थापना की थी। वहीं जैनेंद्र की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा हुई। उनका नामकरण भी इसी संस्था में हुआ। सन 1912 में उन्होंने गुरुकुल छोड़ दिया। प्राइवेट रूप से मैट्रिक परीक्षा में बैठने की तैयारी के लिए वह बिजनौर आ गए। 1919 में उन्होंने यह परीक्षा बिजनौर से न देकर पंजाब से उत्तीर्ण की। जैनेंद्र की उच्च शिक्षा काशी

Date______
Page______

हिंदू विश्वविद्यालय में हुई। 1921 में उन्होंने विश्वविद्यालय की पढ़ाई छोड़ दी और कांग्रेस के असहयोग आंदोलन में भाग लेने के उद्देश्य से दिल्ली आ गए। कुछ समय के लिए ये लाला लाजपतराय के तिलक स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स में भी रहे, परंतु अंत में उसे भी छोड़ दिया।

सन् 1921 से 23 के बीच जैनेंद्र ने अपनी माता की सहायता से व्यापार किया, जिसमें इन्हें सफलता भी मिली, परन्तु वो सन् 23 में वे नागपुर चले गए और वहाँ राजनीतिक पत्रों में संवाददाता के रूप में कार्य करने लगे। उसी वर्ष इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और तीन माह के बाद छूट गए। दिल्ली लौटने पर इन्होंने व्यापार से अपने को अलग

Date ____
Page ____

कर लिया। जीविका की खोज में ये कलकत्ता भी गए, परन्तु वहाँ से भी इन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। इसके बाद इन्होंने लेखन कार्य आरंभ किया। २५ दिसंबर 1988 को इनका निधन हो गया।

प्रेमचंद के निकट संपर्क में रहते हुए भी जैनेन्द्र की कहानियाँ प्रेमचंद से भिन्न हैं। जैनेन्द्र उन महान कहानिकारों में से एक हैं। जिन्होंने हिंदी कहानी के प्रारंभिक धार को दिशा दी।

साहित्य सृजन :-

कहानी संग्रह :- फाँसी, जयसंधि, वातायन, एक रात, ध्रुवयात्रा, दो - चिड़िया, पाजेब, नीलम देश की राजकन्या, खेल।

उपन्यास — परख, सुनीता, त्यागपत्र

निबंध संग्रह — प्रस्तुत प्रश्न, जड़ की बात
मंथन, सोच - विचार, पूर्वोदय

अनूदित ग्रंथ — मंदालिनी, प्रेम में भगवान

सहलेखन — तपोभूमि

पुरस्कार / सम्मान
1971 ई. पद्म भूषण
1979 में साहित्य अकादमी पुरस्कार

Scanned with CamScanner